Literacy for a Billion

Movie: Hum Dono 1961
Year: 1961

Song: Main Zindagi Ka Saath
Lyricist: Sahir Ludhianvi

मैं ज़िन्दगी का साथ
निभाता चला गया
हर फ़िक्र को
धुँए में उड़ाता चला गया
हर फ़िक्र को
धुँए में उड़ा

बरबादियों का सोग
मनाना फ़ुज़ूल था
बरबादियों का सोग
मनाना फ़ुज़ूल था
मनाना फ़ुज़ूल था
मनाना फ़ुज़ूल था

बरबादियों का जश्न
मनाता चला गया
बरबादियों का जश्न
मनाता चला गया
हर फ़िक्र को
धुँए में उड़ा

जो मिल गया उसी को
मुक़द्दर समझ लिया
जो मिल गया उसी को
मुक़द्दर समझ लिया
मुक़द्दर समझ लिया

मुक़द्दर समझ लिया

जो खो गया मैं उसको
भुलाता चला गया
जो खो गया मैं उसको
भुलाता चला गया
हर फ़िक्र को
धुँए में उड़ा

ग़म और ख़ुशी में फ़र्क़
ना महसूस हो जहाँ
ग़म और ख़ुशी में फ़र्क़
ना महसूस हो जहाँ
ना महसूस हो जहाँ
ना महसूस हो जहाँ

मैं दिल को उस मक़ाम पे
लाता चला गया
मैं दिल को उस मक़ाम पे
लाता चला गया

मैं ज़िन्दगी का साथ
निभाता चला गया
हर फ़िक्र को
धुँए में उड़ाता चला गया

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.